CRSU/DYW/2017/0019
13-02-2017.

Gmail by Google

Registrar . <registrar@crsu.ac.in>

राष्ट्र स्तरीय महिला कविता प्रतियोगिता, 2017 - "बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ तथा पर्यावरण बचाओ (बालिका सर्वोदय - पर्यावरण संवर्धन) ".

1 message

Green Earth NGO <greenearthngo.2006@gmail.com> Sat, Feb 11, 2017 at 12:57 AM
To: vc@crsu.ac.in, vcoffice@crsu.ac.in, registrar@crsu.ac.in, dda@crsu.ac.in, deancolleges@crsu.ac.in, dsw@crsu.ac.in, pro@crsu.ac.in, chiefwarden@crsu.ac.in, socialmedia@crsu.ac.in, chcommerce@crsu.ac.in, csphysicaledu@crsu.ac.in, chhistory@crsu.ac.in, chmanagement@crsu.ac.in, chmusic@crsu.ac.in, Gayatri Kaushal <gayatrikaushal123@gmail.com>

Respected Madam/ Sir
Please find the attachment and kindly circulate the same in all departments/ office branches/colleges and motivate them so that maximum women could participate in this National level Poetry Competition.

With Regards

Dr. Ashok Chauhan
Secretary, Green Earth-NGO
(Organization for Environment, Health, Safety & Sanitation)
1st Floor, Sardara Singh Market, Near Birla Mandir Chowk
Kurukshetra - Kaithal Road, Kurukshetra (Haryana)- 136118
Contact: 094683-15618 (O)

"Save Environment, Save Earth, Save Life". Please stop usage of Plastic Carry Bags and Thermocole & Plastic Items (usually called Disposals) - unnecessary source of Non-Biodegradable waste.

CRU Jind.pdf
690K

Registrar C.R.S.U, JIND
Diary No. 1350
Dated 11/2/17

Singh 11/02/17
D.Y.W.

13.02.2017

Be placed on N/B & website

CRSU/DYW/2017/0019
13-02-2017

Green Earth (NGO-HR-0686: Green Idol Awardee-2012)

(Organization for Environment, Health, Safety & Sanitation)

1st Floor, Sardara Singh Market, Near Birla Mandir Chowk, Kurukshetra- Kaithal Road
Kurukshetra (Haryana) -136118, Website: http://greenearthngo.co.in
Email: greenearthngo.2006 @gmail.com, 09468315618

Letter No: ENV/EHS/HR/ 112 **Dated:1st February, 2017**

सेवा में,

The Vice Chancellor
Ch. Ranbir Singh University, Jind.

विषय: राष्ट्र स्तरीय महिला कविता प्रतियोगिता, 2017 - "बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ तथा पर्यावरण बचाओ (बालिका सर्वोदय - पर्यावरण संवर्धन) ".

उपरोक्त विषय बारे, हमारे लिए यह हर्ष का विषय है कि **"बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ तथा पर्यावरण बचाओ"** विषय पर देश की पहली **"राष्ट्र स्तरीय कविता प्रतियोगिता – 2017"**, ग्रीन अर्थ संगठन, संकल्पित फाउंडेशन व संकल्प संस्था द्वारा सयुंक्त तत्वाधान में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में आयोजित की जा रही है. इस प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी पूर्णतः महिलाओं के कन्धों पर है. यह प्रतियोगता उन महिलाओं के लिए हैं जो लेखनी/ कविता के बलबूते "बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ तथा पर्यावरण सरंक्षण" अभियान में जुटी हैं व समाज के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहीं है.

2. **पात्रता:** प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सभी आयु वर्ग की छात्राएं/ महिलाये/ युवतियां पात्र हैं तथा एक या दोनों विषयों पर अपनी एक या अधिक प्रविष्टियां (मूल रचना) अंतिम तिथि 20 फरवरी, 2017 तक ईमेल-poetry4env.beti@gmail.com पर भेज सकती हैं। कविता की भाषा हिंदी व ईमेल से ही भेजनी होगी.

3. कविताओं का चयन प्रसिद्ध साहित्यकारों, पर्यावरणविदों और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय शख्शियतों की ज्यूरी द्वारा पूरी पारदर्शिता से किया जाएगा. दोनों विषयों की तीन-तीन सर्वश्रेष्ठ कविताओं को नगद पुरस्कार तथा अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा. दोनों श्रेणियों की 50-50 बेहतरीन कविताओं का साझा "संकलन" भी प्रकाशित किया जाएगा। **"पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह"** 18 मार्च, 2017 को कुरुक्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है.

4. आप से नम्र निवेदन है कि अपने संस्थान की छात्राओं, महिला शिक्षकों और कर्मियों को इस प्रतियोगिता में अपनी रचनाएं भेजने के लिए प्रेरित करें और इस अनुरोध-पत्र को सभी विभागों/ सम्बन्धित शिक्षण संस्थानों को भिजवाने व सूचना-पट पर लगवाने की भी कृपा करें ताकि अधिक-से अधिक प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकें.

धन्यवाद सहित

मोनिका भारद्वाज, सयोंजक

वुमन इन एन्वायरनमेंट: बालिका सर्वोदय -पर्यावारण संवर्धन
मेल - poetry4env.beti@gmail.com
फोन: 8222841500, 8950292038, 9466557958

Appeal: *Use of Polythene/ Plastic carry bags, Plastic & Thermocole items like gillases, plates, spoons/ forks etc. is injurious to health and environment. Kindly stop use of these at your own level and also trigger the others for same. This small effort will be great contribution in reduction of Non-biodegradable waste and environment protection.*